केन्द्रीय बजट 2021–22

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी, 2021 को संसद में वित्त वर्ष 2021–22 के लिए ` 34,83,236 करोड़ का पहला पेपरलेस बजट प्रस्तुत किया जो गत् बजट अनुमान ` 30.42 लाख करोड़ से 14.50 प्रतिशत अधिक है। बजट में चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा 9.5 प्रतिशत रहने का अनुमान व्यक्त किया गया है। वर्ष 2022–23 में राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 6.8 प्रतिशत के बराबर रखने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्ष 2025–26 तक इसे जीडीपी के 4.5 प्रतिशत पर लाने का लक्ष्य है। वित्त वर्ष 2021–22 में जीडीपी ` 2,22,87,379 करोड़ अनुमानित की गई है। बजट में आयकर दरों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। 75 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को आयकर रिटर्न दाखिल करने से सशर्त छूट दी गई है। बजट में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने पर विशेष बल देते हुए गांव, निर्धन और किसान पर फोकस किया गया है। वित्त मंत्री ने 6 क्षेत्रों को बजट का प्रमुख स्तम्भ बताया है जो कि निम्न हैं–

● स्वास्थ्य और कल्याण ● भौतिक व वित्तीय पूंजी और अवसंरचना ● आकांक्षी भारत के लिए समावेशी विकास ● मानव पूंजी में नवजीवन का संचार ● नवाचार अनुसंधान एवं विकास ● न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन।

बजट के मुख्य बिन्दु

रक्षा क्षेत्र हेतु

- बजट में रक्षा क्षेत्र हेतु ` 4,78,195 करोड़ का प्रावधान जो कि गत् वित्त वर्ष 2020–21 में ` 4,71,378 करोड़ था। इस बजट में पेंशन से इतर सैन्य व्यय के लिए ` 3.62 लाख करोड़ आवंटित किए गए हैं।
- नए हथियारों की खरीद के लिए गत् बजट में दिए गए ` 1,13,734 करोड़ के मुकाबले इस बार ` 1,35,060 करोड़ का आवंटन पूंजीगत व्यय के मद में किया गया है।

रेलवे

- बजट में रेलवे के लिए ` 1,10,055 करोड़ का प्रावधान। इसमें ` 1,07,100 करोड़ पूंजीगत निवेश के लिए हैं। राष्ट्रीय रेल योजना 2030 की घोषणा। इस योजना के अन्तर्गत हाई स्पीड बुलेट ट्रेन दिल्ली– मुम्बई, दिल्ली–कोलकाता मार्ग पर 160 किमी. की गति से ट्रेन चलाई जाएंगी। रेलवे स्टेशनों को एयरपोर्ट की भांति विकसित करने के लिए स्टेशन में रिहायशी फ्लैट, कोचिंग इंस्टीट्यूट, हेल्थ प्वाइंट, मॉल व कॉमर्शियल हब तैयार किया जाएगा।
- वर्ष 2030 तक ब्राडगेज लाइन का शत–प्रतिशत विद्युतीकरण करने का लक्ष्य।

स्वास्थ्य क्षेत्र हेतु

- बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र हेतु ` 2.23 लाख करोड़ का प्रावधान। गत् वर्ष यह ` 94 हजार करोड़ था। इस बार के बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र में 137 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।
- कोरोना वैक्सीन के लिए ` 35,000 करोड़ का प्रावधान।
- ग्रामीण क्षेत्रों में 17,778 और शहरी क्षेत्रों में 11,024 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर खोले जाने की घोषणा।
- प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर स्वस्थ भारत योजना के अन्तर्गत 75,000 स्वास्थ्य केन्द्र खोले जाएंगे।
- 602 जिलों में क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल खुलेंगे। 17 नई पब्लिक हेल्थ यूनिट चालू होंगी।

कृषि क्षेत्र हेतु

- बजट में कृषि क्षेत्र हेतु ` 1,48,301 करोड़ का प्रावधान। खेती के आधारभूत अवसंरचना हेतु ` 1 लाख करोड़ का प्रावधान।
- ` 5,000 करोड़ का माइक्रो इरीगेशन कोष बनाए जाने की घोषणा। देश में पांच बड़े कृषि हब बनाए जाएंगे।
- कृषि क्षेत्र में कृषि उपज के संवर्धन के लिए विशेष प्रावधान। निर्यात बढ़ाने के लिए पहले से चल रही ऑपरेशन ग्रीन स्कीम में टमाटर, प्याज और आलू के दायरे को बढ़ाकर इसमें शीघ्र खराब होने वाली 22 अन्य और जिंसों को शामिल किया गया है।
- बजट में छोटे किसानों को सुविधा के लिए कृषि उत्पादन संगठनों (एफपीओ) को बढ़ावा देने, एपीएमसी मंडियों की बेहतरी के लिए उन्हें ऋण की सुविधा की घोषणा की गई है।

शिक्षा हेतु

- बजट में शिक्षा क्षेत्र हेतु ` 93,224 करोड़ का प्रावधान। स्कूली शिक्षा हेतु ` 54,873 करोड़ का प्रावधान।
- लेह (लद्दाख) में नया केन्द्रीय विश्वविद्यालय खुलेगा।
- 100 नए सैनिक स्कूल खोले जाएंगे, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार 15,000 स्कूलों को सुदृढ़ बनाया जाएगा।
- आदिवासी क्षेत्रों में 750 एकलव्य आवासीय विद्यालय खुलेंगे।
- राष्ट्रीय शोध प्रतिष्ठान की स्थापना की जाएगी।
- 15,552 आदर्श विद्यालयों के लिए ` 4,684 करोड़ आवंटित।

जल संरक्षण

- शहरी जनसंख्या के लिए जल–जीवन मिशन लांच। पांच वर्ष में घर–घर स्वच्छ जल पहुंचाने की तैयारी।
- 4,378 शहरी निकायों में 2.86 करोड़ नल कनेक्शन के द्वारा जल आपूर्ति की व्यवस्था होगी।

युवाओं हेतु

- बंगाल में राष्ट्रीय राजमार्ग योजना के अन्तर्गत भर्तियां होंगी। मेट्रो परियोजनाओं के अन्तर्गत नए रोजगार सृजित होंगे।
- कपड़ा उद्योग के 7,400 प्रोजेक्ट प्रारम्भ होने से युवाओं के लिए रोजगार सृजित होंगे। मेडिकल क्षेत्र में युवाओं की बड़े स्तर पर भर्तियां होंगी।

गरीबी उन्मूलन

- पूरक पोषण कार्यक्रम व पोषण अभियान का आपस में विलय करके मिशन पोषण 2.0 लांच।
- 112 जिलों में पोषण के लिए रणनीति बनेगी। आंगनबाड़ी व पोषण 2.0 को ` 20.105 करोड़ आवंटित।

नारी सशक्तीकरण

- सभी कार्यस्थलों में प्रत्येक शिफ्ट में कार्य कर सकेंगी महिलाएं। रात्रि शिफ्ट में महिलाओं को पर्याप्त सुरक्षा मिलेगी।
- ग्रामीण महिलाओं के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन में ` 13,677.61 करोड़ का प्रावधान।

पर्यावरण संरक्षण

- पांच वर्ष में स्वच्छ वायु के लिए ` 2,217 करोड़ का व्यय होगा। 42 शहरी केन्द्रों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।
- पुरानी कारों को स्क्रैप किया जाएगा। निजी वाहन 20 वर्ष में और कॉमर्शियल वाहन 15 वर्ष पश्चात् स्क्रैप में जाएंगे।
- वर्ष 2021–22 में हाइड्रोजन एनर्जी मिशन प्रारम्भ करने का प्रस्ताव।

सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम हेतु

- बजट में सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम के लिए ` 15,700 करोड़ का प्रावधान जो गत बजट में 7,572 करोड़ का था।
- बजट में छोटी कपंनियों की परिभाषा को परिवर्तित किया गया है। ` 50 लाख की वर्तमान सीमा से पूंजीगत आधार को बढ़ाकर ` 2 करोड़ करके छोटी कंपनियों की परिभाषा को बदला जाएगा। अब ` 20 करोड़ तक टर्नओवर वाली कंपनियों को छोटी कंपनियों में गिना जाएगा।

डिजिटल जनगणना

- पहली बार देश में डिजिटल जनगणना होगी। बजट में डिजिटल जनगणना के लिए ` 3,768 करोड़ का प्रावधान।

अंतरिक्ष

- बजट में अंतरिक्ष विभाग को ` 13,949 करोड़ आवंटित किए गए हैं, जिसमें से ` 8,228 करोड़ पूंजी व्यय के लिए चिह्नित किए गए हैं।
- अंतरिक्ष विभाग के अन्तर्गत नवगठित सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम 'न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड' के लिए ` 700 करोड़ का आवंटन किया गया है।

खेल और युवा कार्य मंत्रालय

- बजट में खेल और युवा कार्य मंत्रालय के लिए ` 2596.14 करोड़ का प्रावधान किया गया है। जो गत् वर्ष के मूल आवंटन से ` 230.78 करोड़ कम है।

आयकर अपील हेतु अवैयक्तिक न्यायाधिकरण

- बजट में आयकर विवादों की अपील के लिए अवैयक्तिक न्यायाधिकरण बनाने का प्रस्ताव किया गया है। नई व्यवस्था के अन्तर्गत सभी संवाद डिजिटल विधि से होगा। अगर किसी मामले में करदाता की उपस्थिति की आवश्यकता होगी, तो वह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा संवाद कर सकेगा।

बजट के अन्य प्रमुख बिन्दु

- बजट में वित्त वर्ष 2021–22 में सार्वजनिक क्षेत्र के दो बैंकों और एक सामान्य बीमा कंपनी के विनिवेश का प्रस्ताव किया गया है। केन्द्र सरकार ने आगामी वित्त वर्ष में ` 1.75 लाख करोड़ के विनिवेश का लक्ष्य निर्धारित किया है। गत् बजट में विनिवेश लक्ष्य ` 2.10 लाख करोड़ था, जो प्राप्त नहीं हो सका।
- अगले वित्त वर्ष में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का आईपीओ लाने की घोषणा। नीति आयोग को केन्द्र सरकार के अन्तर्गत आने वाली सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों की नई सूची बनाने के लिए कहा गया है, जिनका रणनीतिक विनिवेश होगा।
- केन्द्र सरकार अगले वित्त वर्ष में लगभग ` 12 लाख करोड़ उधार जुटाएगी।
- सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में ` 20,000 करोड़ की पूंजी डालने का प्रस्ताव।
- बैंक में रुपए जमा करने वालों की धनराशि पर ` 5 लाख के बीमे का प्रावधान।
- पेट्रोल पर ` 2.5 डीजल पर ` 4 प्रति लीटर का कृषि बुनियादी ढांचा उपकर।
- ` 2.5 लाख तक वार्षिक प्रीमियम वाली यूलिप योजना परिपक्व होने पर कर नहीं।
- बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की सीमा 49 से बढ़कर 74 प्रतिशत होगी।
- डिजिटल भुगतान पर टैक्स ऑडिट की लिमिट बढ़ाकर ` 10 करोड़।
- विशेष परिस्थितियों को छोड़ तीन वर्ष से पुराने आयकर केस नहीं खुलेंगे।
- बिजली वितरण में स्पर्द्धा होगी। उपभोक्ताओं के पास बिजली कंपनी के विकल्प होंगे।
- पेट्रोलियम एंड नेचुरल गैस बंदरगाहों के प्रबंधन में निजी क्षेत्र भी होगा।
- घरेलू निर्माण उद्योग को बढ़ावा देने के लिए बजट में सोलर इंवर्टर पर आयात शुल्क 5 प्रतिशत से 20 प्रतिशत किया गया है। वहीं, सोलर लालटेन पर यह शुल्क 5 से 15 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया है।
- बजट में सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के लिए ` 1,18,101 करोड़ का प्रावधान। इसमें ` 1,08,230 करोड़ पूंजीगत परिव्यय शामिल है।
- बजट में लोकपाल को ` 40 करोड़ आवंटित।
- केन्द्रीय गृह मंत्रालय को बजट में ` 1.66 लाख करोड़ आवंटित।
- बजट में केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को ` 835.39 करोड़ आवंटित।
- बजट में अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय को ` 4810.77 करोड़ आवंटित किए गए हैं।
- डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए ` 1500 करोड़ की योजना का बजट में प्रस्ताव।
- स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए अब प्रवासी भारतीय एकल स्वामित्व वाली कंपनी बना सकेंगे। इसके लिए समय सीमा 182 दिन से घटाकर 120 दिन कर दी गई है।

- भविष्य निधि (पीएफ) में वार्षिक ` 2.5 लाख से अधिक अंशदान पर मिलने वाले ब्याज पर कर लगा दिया है। यह नियम 1 अप्रैल, 2021 के पश्चात् जमा होने वाले अंशदान पर लागू होगा।
- मछली पालन को बढ़ावा देने के लिए देश में पांच बड़े फिशिंग हब बनाए जाएंगे। इनमें केरल व कोच्चि, तमिलनाडु के चेन्नई, आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम, ओडिशा, के पारादीप और पश्चिम बंगाल के पेटुआघाट को फिशिंग हार्बर के रूप में विकसित किया जाएगा।

बजट 2021–22 : एक दृष्टि में (सभी राशि ` करोड़ में)

विषय	2019–20	2020–21		2021–22
	वास्तविक	अनुमान	सं. अनुमान	बजट अनुमान
1. राजस्व प्राप्तियां	16,84,059	20,20,926	15,55,153	17,88,424
2. कर राजस्व	13,56,902	16,35,909	13,44,501	15,45,396
3. कर भिन्न राजस्व	3,27,157	3,85,017	2,10,652	2,43,028
4. पूंजी प्राप्तियां	10,02,271	10,21,304	18,95,152	16,94,812
5. ऋणों की वसूली	18.316	14,967	14,497	13,000
6. अन्य प्राप्तियां	50,304	2,10,000	32,000	1,75,000
7. उधार और अन्य देयताएं	9,33,651	7,96,337	18,48,655	15.06.812
8. कुल प्राप्तियां (1 + 4)	26,86,330	30,42,230	34,50,305	34,83,236
9. कुल व्यय (10 + 13)	26,86,330	30,42,230	34,50,305	34,83,236
10. राजस्व खाते पर	23,50,604	26,30,145	30,11,142	29,29,000
11. ब्याज भुगतान	6,12,070	7,08,203	6,92,900	8,09,701
12. पूंजी संपत्तियों के सृजन हेतु सहायता अनुदान	1,85,641	2,06,500	2,30,376	2,19,112
13. पूंजी खाते पर	3,35,726	4,12,085	4,39,163	5,54,236
14. राजस्व घाटा (10–1)	6,66,545	6,09,219	14,55,989	11,40,576
15. प्रभावी राजस्व घाटा (14–12)	4,80,904	4,02,719	12,25,613	9,21,464
16. राजकोषीय घाटा [9 –(1 + 5 + 6)]	9,33,651	7,96,337	18,48,655	15,06,812
17. प्राथमिक घाटा (16–11)	3,21,581	88,134	11,55,755	6,97,111

केन्द्र सरकार का व्यय बजट अनुमान 2021–22
(` करोड़ में)

मद	राशि
पेंशन	1,89,328
रक्षा	3,47,088
मुख्य अनुदान	3,35,361
कृषि एवं कृषि संबंधी	1,48,301
व्यापार एवं उद्योग	34,623
पूर्वोत्तर राज्यों के विकास पर	2,658
शिक्षा	93,224
ऊर्जा	42,824
विदेश मामले	18,155
वित्त	91,916
स्वास्थ्य	74,602
गृह मामले	1,13,521
ब्याज	8,09,701
सूचना प्रौद्योगिकी एवं दूरसंचार	53,108
योजना एवं सांख्यिकी	2,472
ग्रामीण विकास	1,94,633
वैज्ञानिक विभाग	30,640
सामाजिक कल्याण	48,460
कर प्रशासन	1,31,100
राज्यों को हस्तांतरित	2,93,302
परिवहन	2,33,083
केन्द्र शासित	53,026
शहरी विकास	54,581
अन्य	87,528
कुल योग	34,83,236